

## सम्पादकीय

---

भारत के विभिन्न राज्यों में संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के निष्पादन (आर एन टी सी पी) का मूल्यांकन कुछ सूचक संसूचन दर, पता लगाए गए फुफुस क्षय रोग मामलों के लेपन नकारात्मक के लेपन सकारात्मक का अनुपात, थूक रूपांतरण दर और चिकित्सा सफलता दर पर किया जाता है। इस पत्रिका में आंध्र प्रदेश, भारत के राज्यों में से एक जहाँ 2006 में डी ओ टी एस कार्यक्रम के अंतर्गत क्षय रोग के 1.4 अरब रोगियों को लाया गया, में आर एन टी सी पी के निष्पादन का दस्ता विश्लेषण प्रकाशित है। अनावरित किया गया है कि चिकित्सा सफलता दर आर एन टी सी पी मानकों के मुताबिक थी। भारत के विभिन्न राज्यों में उत्तम आर एन टी सी पी निष्पादन को संपोषित करने के लिए, राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान में प्रशिक्षण क्रियाकलाप सुप्रशिक्षित कर्मिकों को उपलब्ध कराने के अलावा क्षय रोग के समुचित निदान के लिए राज्य प्रयोगशालाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बाह्य गुणता आश्वासन में प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की ओर भी योगदान दे रहे हैं।

क्षय रोग नियंत्रण के लिए सहस्राब्दि विकास लक्ष्य है, 2015 तक क्षय रोग की प्रचुरता और मृत्यु दर को आधा करना। इस पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में क्षय रोग मृत्यु दर की प्रवृत्ति ने गोवा में 1991 से 2001 के दौरान घटौति दर्शाया है। क्षय रोग मृत्यु पुरुषों और शहरी निवासियों के बीच उच्चतर पाई गई। लेखकों की राय थी कि क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के मूल्यांकन के लिए मृत्यु दर एवं मानकीकृत मृत्यु अनुपात को महत्वपूर्ण मापन साधन के तौर पर प्रयुक्त किया जा सकता है। पत्रिका के एक और महत्वपूर्ण लेख में विभिन्न सरल एवं सस्ते नियंत्रण उपायों का वर्णन किया गया है, जो अस्पताल के परिसर में क्षय रोग संप्रेषण को रोकने में उपयोगी हों। इन संक्रमण नियंत्रण युक्तियों में वैयक्तिक संरक्षण विधाओं एवं प्रयोगशाला सुरक्षा अभ्यासों के अलावा प्रशासनिक तथा पर्यावरणीय नियंत्रण शामिल हैं। पाठकों को यह लेख प्रायोगिक तौर पर उपयोगी सिद्ध होगा।

एन टी आई में प्रशिक्षण एवं अधीक्षण क्रियाकलाप बढ़ते जा रहे हैं। नियमित आर एन टी सी पी माड्युलार प्रशिक्षण के साथ साथ भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों को बाह्य गुणता आश्वासन (ई क्यू ए) में प्रशिक्षित किया गया ताकि संबद्ध प्रयोगशालाओं को, जो वैज्ञानिक क्षय रोग निदान का क्रोड हैं, सशक्त बना सके। साथ ही, इन प्रशिक्षण क्रियाकलापों के दौरान सार्क देशों के प्रतिभागी भी गहन अन्योन्यक्रिया के द्वारा शामिल हैं। दीर्घाविधि में यह इस क्षेत्र में क्षय रोग के बोझ को घटाने में लाभकारी सिद्ध होगा। इस पत्रिका में अन्य पत्रिकाओं से संकलित क्षय रोग संबंधी लेखों के सार भी उपलब्ध हैं। इस पत्रिका की अन्य विशिष्टताएँ हैं, चिकित्सीय/ अर्धचिकित्सीय/स्नातकपूर्वों के लिए एन टी आई में संचालित विभिन्न अभिमुखीकरण प्रशिक्षण तथा एन टी आई के बाहर संचालित अन्य संबद्ध क्रियाकलापों में संकाय की प्रतिभागिता। एन टी आई की झांकी इस पत्रिका के समाचार एवं विचार स्तम्भ के द्वारा, भेंट पर आए प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ अमूल्य अन्योन्यक्रिया तथा नेलमंगला (बेंगलूर) में एन टी आई द्वारा संचालित रोग प्रचलन सर्वेक्षण का फोटो प्रलेखन भी इस अंक में सम्मिलित हैं। अपने पाठकों को हम उपयोगी पठन की कामना करते हैं एवं आशा करते हैं कि उनका पुनर्निवेश ज्ञान एवं अन्यो के अनुभवों के प्रसरण को और बढ़ाने के अलावा क्षय रोग के विरुद्ध हमारी साझेदारी को निर्मित करने एवं सशक्त बनाने में सहयोगी होगा।

अपरिहार्य कारणों से कुछ विलंब के बावजूद हम एन टी आई पत्रिका के इस अंक को सहर्ष प्रस्तुत करते हैं। अपने साथियों के सहयोग व पत्रिका की ओर उनके लेखों के योगदान के साथ हम अपने आगामी अंकों को समय पर पेश करना चाहते हैं।

सम्पादक

## Editorial

---

*Performance of Revised National Tuberculosis Control Programme (RNTCP) in the different states of India is evaluated on certain indicators, namely - detection rate, ratio of smear negative to smear positive pulmonary tuberculosis cases detected, sputum conversion rate and treatment success rate. In this bulletin a cohort analysis of performance of RNTCP in Andhra Pradesh, one of the states in India where 1.4 million cases of TB were brought under Dots programme in 2006 is published. It has revealed that treatment success rate was as per the RNTCP norms. In order to sustain good RNTCP performance in different states of India, training activities at National Tuberculosis Institute have been contributing in providing well trained personnel besides imparting training in External Quality Assurance aimed at strengthening state laboratories for proper diagnosis of tuberculosis.*

*The millennium development goals for TB control aims to halve TB prevalence and mortality rates by 2015. In one of the studies published in this bulletin the trends of TB-mortality rate have revealed a decline during 1991 to 2001 in Goa. Tuberculosis mortality was found to be higher among males and urban residents. The authors were of the opinion that the mortality rates and standardised mortality ratios could be used as important measurement tools for the evaluation of tuberculosis control programme. In another important article of the bulletin various simple and inexpensive control measures, that may be useful in preventing TB transmission in hospital settings, have been described. These infection control strategies include administrative & environmental controls besides personal protection methods and laboratory safety practices. Readers may find this article practically useful.*

*Training & supervisory activities at NTI continue to increase. Besides regular RNTCP modular training participants from different states of India were trained in External Quality Assurance (EQA) to strengthen respective laboratories that form the core of scientific TB diagnostics. In addition participants from abroad especially SAARC countries are involved through intense interaction during these training activities. This would prove beneficial in long run to reduce the burden of TB in this region. This bulletin also provides the abstracts of TB related articles compiled from other Journals. Other features of this Bulletin cover various Orientation trainings conducted at NTI for the medical / paramedical / undergraduates besides participation of faculty in other related activities conducted outside NTI. A glimpse of NTI through News & Views column of this bulletin, valuable interaction with the visiting dignitaries and photo documentation of disease prevalence survey in Nelamangala (Bangalore) conducted by NTI are also included in this edition. We wish our readers useful reading and hope their feedback will further enhance dissemination of knowledge and experience of others besides building and strengthening our partnership in fight against tuberculosis.*

*We are pleased to bring out this addition of the NTI bulletin though there was some delay due to unavoidable circumstances. We wish to bring out future editions in time with the co-operation of the stake holders and their contribution of the article to this bulletin.*

Editor